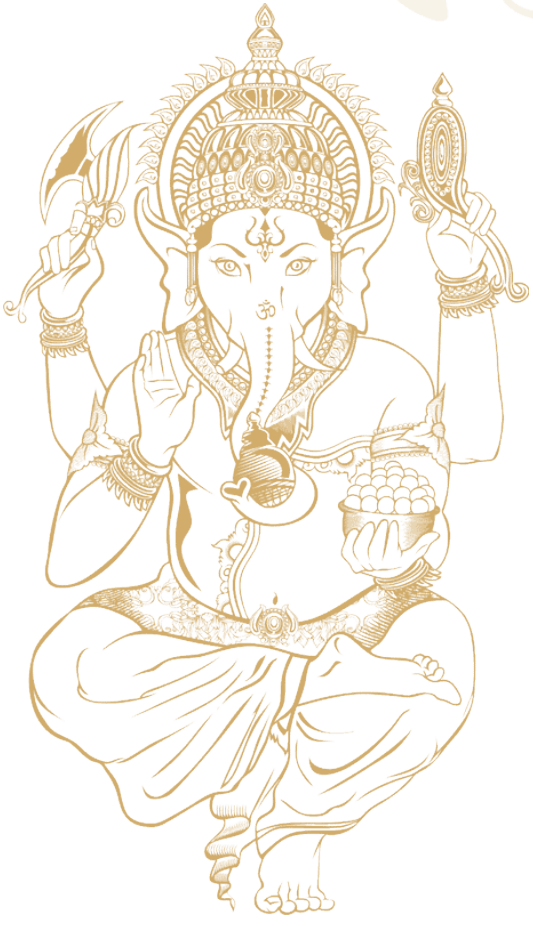

Rishikesh Pandey

25 Apr 2002

04:00 AM

Gopalganj

Model: web-freekundliweb

Order No: 121870502

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24-25/04/2002**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**04:00:00 घंटे**
इष्ट	56:37:24 घटी
स्थान	**Gopalganj**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	26:28:00 उत्तर
रेखांश	84:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:07:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:07:44 घंटे
वेलान्तर	00:01:48 घंटे
साम्पातिक काल	18:18:51 घंटे
सूर्योदय	05:21:02 घंटे
सूर्यास्त	18:20:21 घंटे
दिनमान	12:59:20 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	10:40:19 मेष
लग्न के अंश	12:39:02 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**उ०फाल्गुनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	व्याघात
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	गौ
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पी-पीयूष
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	12:39:02	499:52:23	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	---
सूर्य			मेष	10:40:19	00:58:25	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	उच्च राशि
चंद्र			कन्या	09:57:07	15:01:27	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
मंगल			वृष	13:43:49	00:40:34	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	राहु	सम राशि
बुध			मेष	28:15:55	01:38:49	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	सम राशि
गुरु			मिथु	16:06:43	00:08:53	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	05:07:43	01:13:07	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	स्वराशि
शनि			वृष	18:55:46	00:06:41	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	मित्र राशि
राहु	व		वृष	24:48:54	00:06:22	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	राहु	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	24:48:54	00:06:22	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	04:20:18	00:01:50	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
नेप			मक	17:00:09	00:00:36	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	23:24:59	00:01:03	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
दशम भाव			धनु	10:26:08	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:04

लग्न-चलित

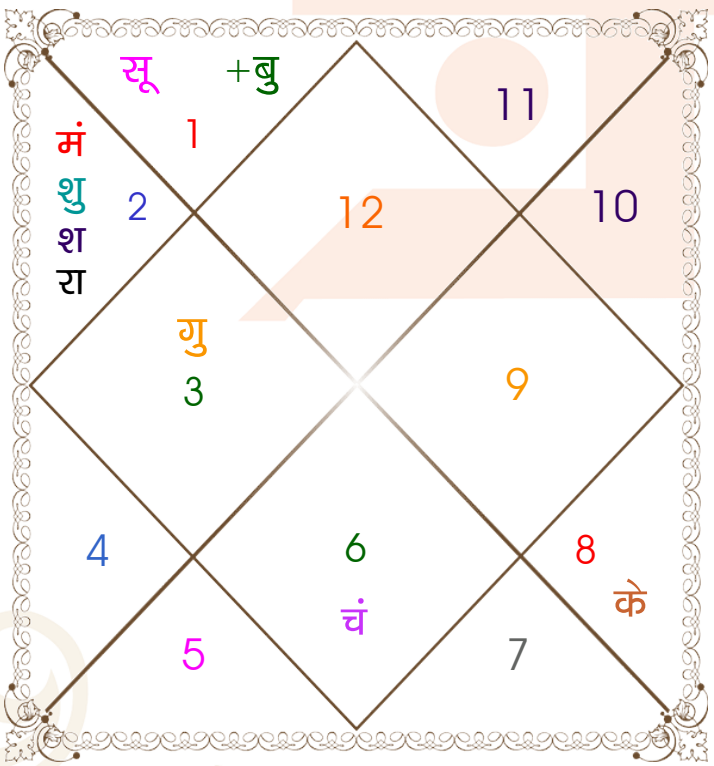

चन्द्र कुंडली

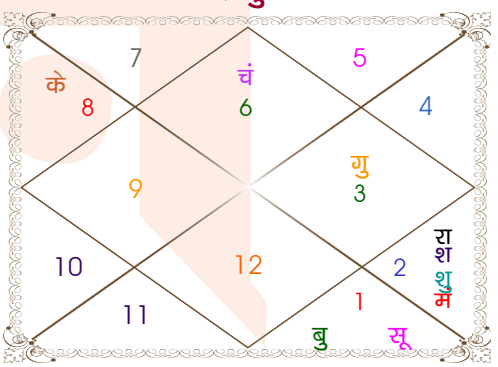

नवमांश कुंडली

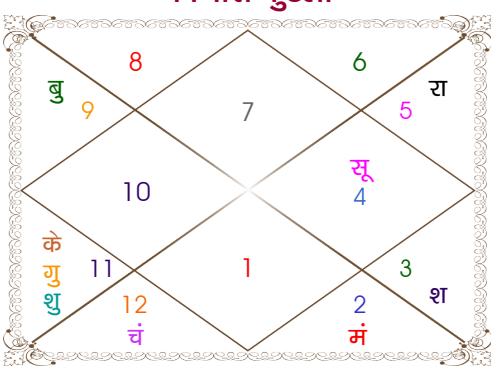

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 0 वर्ष 0 मास 7 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
25/04/2002		03/05/2002		02/05/2012		03/05/2019		02/05/2037	
03/05/2002		02/05/2012		03/05/2019		02/05/2037		02/05/2053	
	00/00/0000	चंद्र	03/03/2003	मंगल	28/09/2012	राहु	13/01/2022	गुरु	21/06/2039
	00/00/0000	मंगल	02/10/2003	राहु	17/10/2013	गुरु	08/06/2024	शनि	01/01/2042
	00/00/0000	राहु	02/04/2005	गुरु	23/09/2014	शनि	15/04/2027	बुध	08/04/2044
	00/00/0000	गुरु	02/08/2006	शनि	01/11/2015	बुध	01/11/2029	केतु	15/03/2045
	00/00/0000	शनि	02/03/2008	बुध	29/10/2016	केतु	19/11/2030	शुक्र	14/11/2047
	00/00/0000	बुध	02/08/2009	केतु	27/03/2017	शुक्र	19/11/2033	सूर्य	01/09/2048
	00/00/0000	केतु	03/03/2010	शुक्र	27/05/2018	सूर्य	14/10/2034	चंद्र	01/01/2050
	25/04/2002	शुक्र	01/11/2011	सूर्य	02/10/2018	चंद्र	14/04/2036	मंगल	08/12/2050
शुक्र	03/05/2002	सूर्य	02/05/2012	चंद्र	03/05/2019	मंगल	02/05/2037	राहु	02/05/2053

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
02/05/2053		02/05/2072		02/05/2089		02/05/2096		03/05/2116	
02/05/2072		02/05/2089		02/05/2096		03/05/2116		26/04/2122	
शनि	05/05/2056	बुध	29/09/2074	केतु	28/09/2089	शुक्र	02/09/2099	सूर्य	21/08/2116
बुध	13/01/2059	केतु	26/09/2075	शुक्र	29/11/2090	सूर्य	02/09/2100	चंद्र	19/02/2117
केतु	22/02/2060	शुक्र	27/07/2078	सूर्य	05/04/2091	चंद्र	04/05/2102	मंगल	27/06/2117
शुक्र	24/04/2063	सूर्य	02/06/2079	चंद्र	04/11/2091	मंगल	04/07/2103	राहु	22/05/2118
सूर्य	05/04/2064	चंद्र	01/11/2080	मंगल	02/04/2092	राहु	03/07/2106	गुरु	10/03/2119
चंद्र	04/11/2065	मंगल	29/10/2081	राहु	20/04/2093	गुरु	03/03/2109	शनि	20/02/2120
मंगल	14/12/2066	राहु	17/05/2084	गुरु	27/03/2094	शनि	03/05/2112	बुध	26/12/2120
राहु	20/10/2069	गुरु	23/08/2086	शनि	06/05/2095	बुध	04/03/2115	केतु	03/05/2121
गुरु	02/05/2072	शनि	02/05/2089	बुध	02/05/2096	केतु	03/05/2116	शुक्र	26/04/2122

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 0 वर्ष 0 मा 8 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला नवमांश एवं कर्क राशीय द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति के अनुसार लग्नादिक समन्वित प्रभाव से यह सुनिश्चित हो रहा है कि आप निःसंदेह अपने संपूर्ण जीवन में विपुल संपत्ति, धन-दौलत से युक्त रहेंगे। आप वंशानुगत प्राप्त पूरक धन-दौलत के अतिरिक्त पर्याप्त आय की प्राप्ति करेंगे। इसका अर्थ है कि आप धनी हो सकते हैं।

आप व्यक्तिगत रूप से अति विश्वसनीय एवं ईमानदार प्राणी होंगे। आप में अनिवार्य गुण विद्यमान है, जिसके प्रभाव से आपका जीवन अति उन्नतिशील रहेगा जो आपके स्वयं के लिए एक छाप छोड़ेगा। आपमे आत्मिक शक्ति विद्यमान है तथा आप एकांत प्रिय प्राणी हैं। आप अपने रास्ते से चल कर किसी भी कार्य के प्रारंभ को उचित व्यवहार कर सकते हैं।

आप अपनी कार्य योजना के पीछे पड़ कर उसका समापन करोगे न कि मात्र कार्य को धक्के दे कर चलाना पसंद करोगे। आप अच्छी प्रकार जानते हैं कि दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य के अनुसार शनैः शनैः उन्नति प्राप्त करने के लिए समर्थ होंगे। आप किसी भी प्रकार की विपरीत घटना के प्रति आश्वस्त है कि आपका समय सुख आराम के साथ व्यतीत हुआ।

आप सुरक्षित स्वभाव के प्राणी हैं। आप स्वयं दूसरों के कारण उलझन में पड़ कर समस्या से ग्रसित हो जाते हैं। यदा-कदा आप स्वयं आश्वस्त नहीं हो पाते है कि तत्काल आपका लक्ष्य क्या है। क्योंकि आप हवाई मार करके हवा में उंची किला बनाते है तथा प्रत्येक वार करके रंगीन स्वप्न का दृश्य देखते हो। मुख्यतः विपरीत योनि के प्रति आपके ऐसे ख्यालात होते हैं। आप अति काम प्रिय प्राणी है तथा आप प्रेम प्रसंग में उंची-छलांग लगा कर अपनी छाप छोड़ना चाहते है। आप अपने जीवन में हर दृष्टिकोण से इस विषय को महत्वपूर्ण समझते हो। आपकी अभिलाषा रहती है कि आप प्रेमिका के साथ मिल कर मद्यपान किसी प्रकार कर सकूं। इस प्रकार सदैव आनंद प्राप्ति हेतु सुअवसर की तलाश में रहते हो। आप इसी प्रकार के रास्ते को अंगीकृत करते हो। आप अपने व्यवसायिक एवं सुखद वातावरण की तारतम्यता सख्ती से बनाए रखते हो।

पूर्णतया अपने संबंध में सीख लें। इसके पश्चात् अपने में अपेक्षित गुण ग्रहण कर, स्वयं साहसपूर्ण सफलता प्राप्त करे। अतएव आप दूसरों पर क्यों आश्रित हो? चूंकि आप विश्वासी हैं। अन्य जो थोड़ा विनीत स्वभाव के व्यक्ति हैं उनको सदैव अंगीकृत करते हैं। परंतु आप अनुभव करोगे कि वे अडंगा बाजी कर के आपको पराजित करेंगे। प्रारंभ में वे औपचारिकता दिखा कर आपको आश्वस्त करेंगे कि आपके द्वारा स्थित हुआ हूं। वे आपकी बातों के अनुसार आचरण नहीं करेंगे। इसलिए वे व्यवसाय एवं मित्रता के बीच एक स्पष्ट सीमा रेखा खींच कर, पृथकतावादी नीति अपनाएंगे।

आपका स्वास्थ्य निः संदेह उत्तम रहेगा। परंतु आयु वृद्धि के पश्चात् आप रोग ग्रस्त

हो सकते है। जैसे कफ, खांसी, सर्दी, जुकाम, जोड़ों का दर्द गठिया-वात, जॉनडिस, एवं हर्निया आदि। अतः सुरक्षात्मक कदम उठा कर, समय-समय पर चिकित्सक द्वारा सलाह निर्देश प्राप्त करते रहें।

आप अपनी दुर्बलता को त्याग कर मनोयोगपूर्ण अपने कार्य व्यवसाय में संलग्न होने के पश्चात् अपने प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन के प्रति आश्वस्त हो सकेंगे। आप अपनी अच्छी पत्नी, समझदार पुत्र एवं पौत्र के द्वारा सुख प्राप्ति के संबंध में भाग्यशाली हैं। वे सभी आपसे संबंधित रह कर आपको उत्तम व्यवहार स्नेह सम्मान, प्रभाव आदि प्रदान करेंगे।

आपके लिए अनुकूल रंग पीला, नारंगी, लाल एवं गुलाबी रंग उत्तम हैं। परंतु नीले रंग का व्यवहार न करें।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं भाग्यशाली अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु अंक 8 त्यज्यनीय है।

साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। इस दिनों में किसी भी कार्य को सम्पादन कर सकते है तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को संपादन तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को हस्ताक्षरित कर सकते हैं। परंतु इसके अतिरिक्त शेष तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अव्यवहारणीय है।